संयुक्त राज्य अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण द्वारा प्रदत्त सहायता से, जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में "डेवलपिंग एन आपरेशनल कोम्यूनिकेशन सिस्टम" शीर्षक एक परियोजना चल रही है। यह परियोजना नवम्बर, 1968 से चल रही है और 30 जून, 1971 को समाप्त होनी है। इसकी कुल लागत 4,97,200 रुपये है और उसमें से 2,93,400 रुपये संयुक्त राज्य अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण से सहायता के रूप में प्राप्त हुए हैं। इससे कर्मचारियों और विद्यार्थियों को सचार और दृश्य साधनों की आधुनिक पद्धतियों में प्रशिक्षण देने मे सहायता मिलेगी। इस योजना के मुख्य उद्देश्य ये है :—

(1) कर्मचारियों, विद्यार्थियो, कृषको, सामूहिक दलों, सरकारी अभिकरणों तथा जनता के लिये अच्छी शिक्षण सामग्री की रूप-रेखा तैयार करना, उन्हे बनाना तथा उनका मुद्रण करना।

(2) शिक्षण जानकारी के अच्छे संचारण के लिये फलेन्नल-ग्राफस, फिलप-चार्ट, पोस्टर, सलाईडस, फिल्म स्ट्रिप्टस और फोल्डर जैसे दृश्य साधन तैयार करना।

(3) विश्वविद्यालय के परिसर कर्मचारियो चल तथा क्षेत्र एककों के लिए उपलब्ध शिक्षण सम्बन्धी सामग्री नियमित सप्लाई बनाये रखना।

(4) विश्वविद्यालय के समस्त अनुगामियों को निरन्तर रूप से आधुनिकतम जानकारी प्रदान करना।

(5) सूचना के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधियों के प्रयत्नों का एकीकरण करना।

(6) विश्वविद्यालय के संकाय और विद्यार्थियों को दृश्य-श्रव्य, प्रौद्योगिकी के प्रयोग की तकनीकें सिखाना।

मध्य प्रदेश में कम्प्रेसरों की कमी

3636. श्री गंगा चरण दीक्षित : क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में नल-कूप लगाने के लिए आवश्यक कम्प्रेसरों की कमी है ;

(ख) यदि हां, तो क्या नल-कूपों के ठीक प्रकार से संचालन के लिए अपेक्षित इस प्रकार के महत्वपूर्ण औजार की कमी का कृषि उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध मे सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह) : (क) जी, हां। मध्य प्रदेश के नलकूप निदेशालय में नलकूपों के विकास के लिए कम्प्रेसरों की कुछ कमी है।

(ख) और (ग). नलकूप निदेशालय, मध्य प्रदेश अतिरिक्त कम्प्रेसरों की खरीद के सम्बन्ध में पहले ही विचार कर रहा है।

मध्य प्रदेश में डेयरी संयंत्र लगाने के लिये केन्द्रीय सहायता

3637 : श्री गंगा चरण दीक्षित : क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :